



ARYA SAMAJ (VEDIC MISSION) WEST MIDLANDS

321 Rookery Road, Handsworth  
Birmingham B21 9PR  
Tel : 0121 359 7727  
enquiries@arya-samaj.org  
www.arya-samaj.org  
Charity Registration Number : 1156785



## What is Arya Samaj?

Arya Samaj founded by Maharishi Dayanand Saraswati is an institution based on the teachings of Vedas for the welfare of universe. It propagates the universal doctrines of humanity. It is neither a religion nor a sect.

# ARYAN VOICE

YEAR 41

01/2019-20

MONTHLY

January 2019



Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands would like to wish you all a

## Very Happy New Year!

We wish 2019 brings joy, peace, good health, prosperity & happiness to you & your family....

321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.

Tel - 0121 359 7727

Website - [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)

E-mail – [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)

Charity registration number 1156785

facebook <https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

## **CONTENTS**

<b>10 Principles of Arya Samaj</b>	<b>3</b>
<b>God is Fountainhead of all Qualities - By Mr Krishan Chopra</b>	<b>4</b>
<b>आर्य समाज-एक परिचय-२ - आचार्य डॉ. उमेश यादव</b>	<b>6</b>
<b>Charity Dinner 1.12.2018 – By Dr Narendra Kumar</b>	<b>10</b>
<b>Matrimonial Service information</b>	<b>13</b>
<b>Venue Hire Advert</b>	<b>14</b>
<b>News (पारिवारिक समाचार)</b>	<b>15</b>
<b>Yoga Classes</b>	<b>18</b>

**For General and Matrimonial Enquiries  
Please Ring  
Miss Raji (Rajashree) Chauhan (Office Manager)  
Monday to Friday between: - 2.30pm to 6.30pm,  
Wednesday: - 11.00am to 1.00pm.  
Bank Holidays – Closed - Tel. 0121 359 7727  
E-mail- enquiries@arya-samaj.org**

## **10 Principles of Arya Samaj**

- 1. God is the primary source of all true knowledge and all that is known by its means.(At the beginning of creation, nearly 2 Billion years ago, God gave the knowledge of 4 Vedas to four learned Rishis named Agni, Vayu, Aditya and Angira. Four Vedas called Rig Ved, Yajur Ved, Sam Ved and Atharva Ved contain all true knowledge, spiritual and scientific, known to the world.)**
- 2. God is existent, intelligent and blissful. He is formless, omnipotent, just, merciful, unborn, infinite, invariable (unchangeable), having no beginning, matchless (unparalleled), the support of all, the master of all, omnipresent, omniscient, ever young (imperishable), immortal, fearless, eternal, holy and creator of universe. To him alone worship is due.**
- 3. Vedas are the scripture of all true knowledge. It is paramount duty of all Aryan to read them, teach and recite them to others.**
- 4. All human beings should always be ready to accept the truth and give up untruth.**
- 5. All our actions should be according to the principles of Dharma i.e. after differentiating right from wrong.**
- 6. The primary aim of Arya Samaj is to do good to the human beings of whole world i.e. to its physical, spiritual and social welfare.**
- 7. All human beings ought to be treated with love, justice and according to their merits as dictated by Dharma.**
- 8. We should all promote knowledge (Vidya) and dispel ignorance (Avidya).**
- 9. One should not be content with one's own welfare alone but should look for one's welfare in the welfare of all others.**
- 10. In matters which affect the well being of all people an individual should subordinate any personal rights that are in conflict with the wishes of the majority. In matters that affect him/her alone he/she is free to exercise his/her human rights.**

# **God is Fountainhead of all Qualities**

**By Mr Krishan Chopra**

ऋतं सत्यं तपो राष्ट्रं श्रमो धर्मश्च कर्म च । भूतं भविष्यदुच्छिष्टं वीर्यं लक्ष्मीर्बलं  
बले ॥ अथर्ववेद ११.७.१७

Rtam satyam tapo rastram sramo dharmasca karma ca I  
bhutam bhavisyaducchstam viryam laksmirbalam bale II

Atharva Veda 11.7.17

## **Meaning in Text Order**

**Rtam = eternal laws**

**Satyam = truth**

**Tapah = penance**

**Rastram= nation**

**Sramah = labour**

**Dharmah = righteousness**

**ca = and**

**Karma = deed**

**ca = and**

**Bhutam = past**

**Bhavisyat = future**

**Ucchiste = based**

**Balam = vigour**

**Bale = powerful.**

## Meaning

Eternal laws, truth, penance nation, labour, righteousness, good deeds, past, future, prosperity and vigour find their base in powerful God.

## Contemplation

According to the attributes of God, He is called by many names. Among these names one is **ucchista** which means, after the dissolution of the universe, the universe is based in Him. Although the soul and matter also remains yet prime among them is God because he is fountain head and base of all auspicious qualities and actions. The soul of human beings acquires from Him.

Precise, doubtless conduct is called **rta** and precise, doubtless knowledge is called **satya**. To bear cold and heat, comfort and sorrow and willingly giving your body discomfort and enjoying it is called **tapa**. The people based in any part of earth where there is unity and spirit of sacrifice in the welfare of all is called **rastra** (nation). To make an effort to any useful creative or destructive act is known as **srama**. Though which the individual and society is sustained is called **dharma**. To make an effort with aim is **karma** where mind and body both are active. Bright past is known as **bhuta** and glowing future is called **bhavisyat**. **Virya** is internal strength or valour which can exist in feeble physique. **Laksmi** is wealth which separates an individual from others in society that is the beauty of it. Later on this word became synonym of wealth because wealth is dividing symbol. The strength, **bala** is known as physical, sensual and strength of vital forces (**pran**). In the period of dissolution these qualities sustain in God. At the dawn of new creation of the universe God is the prime source for all these qualities for human beings.

## आर्य समाज-एक परिचय-२

आचार्य डॉ, उमेश यादव

आर्य समाज के १० नियम पूर्णतया सार्वभौमिक हैं चाहे कोई भी मनुष्य हो जो आस्तिक व धार्मिक है, वह अवश्य ही इन नियमों को मानेगा। हाँ, नास्तिक के लिये यह एक समस्या हो सकती है पर हम ईश्वर विश्वास की बात कर रहे हैं। नास्तिक तो ऐसे ही निराधार हैं। मानव-जीवन के लिये ये नियम हर हालत में कल्याणकारक हैं। आर्य समाज न केवल प्रार्थना, उपासना आदि को ही मानता है बल्कि जीवन के अन्य तमाम सिद्धान्तों की महत्ता को भी मानता है। व्यक्तिगत, सामाजिक, राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय, लौकिक, पारलौकिक आदि सब आध्यात्मिक व वैज्ञानिक सिद्धान्तों को भी आर्य समाज स्पष्ट करता है। विश्वव्यापी मानव-उत्थान की कल्पना कर जीवन के उच्चे व स्वस्थ पहलुओं को सार्थक करने की क्षमता व उद्देश्य भी आर्य समाज में समाहित है।

आर्य समाज के पहले दो नियमों को ध्यान से पढ़ें तो आस्तिकता, धार्मिकता एवं एकेश्वरवादिता का स्पष्ट दर्शन है जिनका मूल वेद है। सब सत्य विद्या जिससे आध्यात्म की साधना होती है और जो पदार्थविद्या जिससे सब विज्ञानादि सिद्धान्तों की सिद्धि होती है। यह निश्चित ही सर्वमान्य है। अतः वेदों का स्वाध्याय अनिवार्य होगा। निस्पक्ष भाव से वेदाध्ययन करने की आवश्यकता है। ईश्वर की मूर्ति नहीं बन सकती, न ही ईश्वर अवतार ले सकता है क्योंकि वह सर्वव्यापक है, सर्वनियन्ता, सर्वशक्तिमान, सर्वज्ञ, सर्वेश्वर और सबके पाप और पुण्यों के कर्मफलदाता है। ईश्वर, जीव व प्रकृति तीन स्वतंत्र सत्ता है। तीसरे

नियम में वेद-सत्ता का महत्त्व है । चौथा व पाँचवां नियम सत्य व धर्म आधारित है जो हर जीवन का उद्धारक है । श्रेष्ठ मार्ग के पथिक बनाने में अत्यन्त सहायक है । सत्य निष्ठा व सत्य का अन्वेषण जीवन पर्यन्त होता रहे जिसका आधार धर्म है । सत्य व असत्य का विचार ही अन्वेषण है और इसी अन्वेषण के आधार पर ही विज्ञान के तह में जा सकते हैं तो हमें कहना होगा कि धर्म व विज्ञान का आधार वेद है, मानव-जीवन है; आर्य समाज है । आगे के पाँच नियम सामाजिक, राष्ट्रीय, वैयक्तिक हित में अत्यन्त व्यावहारिक है ।

आर्य समाज कट्टरपन्थी नहीं है । यहाँ प्रवेश के बाद भी हर पल सुधार की प्रवृत्ति बनी रहती है । जो समष्टि-प्रेम व व्यष्टि भाव को समझता है वह नितान्त आर्य समाज के भावधारा में उतरोत्तर आगे-आगे बढ़ता जाता है । अतः आर्य समाज का द्वार हर किसी के लिये सदा सर्वदा खुला रहता है । हाँ प्रवेश कर्त्ता को विश्वास दिलाना होगा कि वह आर्य समाज के सिद्धान्तों का आदर करेगा, तर्क व प्रमाण के आधार पर वैदिक आस्था को प्रबल मानकर उसे आगे बढ़ाने का भाव रखेगा, पुरुषार्थ करेगा और तद्वद् शुद्ध आचरण से सर्वत्र शुद्धता ही फैलायेगा । निःसंदेह आर्य समाज एक स्वस्थ परोपकार सिद्धान्त पर आधारित संस्था है । यह मत-मतान्तर व संकुचित मजहब आदि धारा की संस्था नहीं है अपितु शुद्ध वैदिक सिद्धान्तों पर आधारित एक आस्तिक, धार्मिक, आध्यात्मिक व वैज्ञानिक संस्था है जो विश्व के हर किसी के आगमन का स्वागत करता है ।

इन नियमों को पढ़ें तो पता चलता है कि इनसे व्यक्तित्व को व्यक्तित्व उन्नत व क्रियान्वित करने का पूर्ण अवसर मिलता है । व्यवहार करने, चुनाव करने व आचरण करने में स्वतंत्रता है पर वह सब वैदिक व

वैज्ञानिक है, इसकी जिम्मेवारी भी उसकी ही होगी । हर जीव के साथ यह सिद्धान्त है कि वह कार्य करने में स्वतंत्र है- स्वतंत्रः कर्त्ता-व्याकरण-सूत्र । महर्षि दयानन्द ने आर्य समाज के वैदिक सिद्धान्तों को स्पष्ट करते हुये लोक-परलोक परक कर्मसिद्धान्त व कर्मफल सिद्धान्तों को इस तरह जोड़ दिया है कि कोई भी व्यक्ति अपने कर्मों के फल से बच नहीं सकता । कर्मों को स्वतंत्ररूप से करने वाला मनुष्य अर्थात् जीवात्मा है तो भोक्ता भी वही है लेकिन इन सब का फल दाता परमेश्वर है । वही सृष्टि कर्त्ता है, वही नियामक है और वही संहारक भी है । यहीं उसका कर्मफलदाता बनना सिद्ध हो जाता है । लोक-परलोक, आदर्श-व्यवहार, धर्म-विज्ञान, भोग-त्याग, व्यक्ति-समष्टि, धर्म-वृद्धि, देशी-विदेशी आदि के बीच समन्वय बनाने का पुरजोर प्रयास आर्य समाज के माध्यम से महर्षि ने किया । नवीन व प्राचीन दर्शनों का समन्वय मिलता है । अधिकार व दायित्वों के सम्बन्धों की रस्सी मजबूत की गयी है । निराशावादी न होकर सदैव आशावादी होकर आगे बढ़ने का संकल्पाधार को ईश्वरोपासनाविधि से जोड़कर और ही पुरुषार्थ विधा को सार्थक बना दिया । अन्धविश्वास, गुरूडम, साम्प्रदायिकता, छुआछूत, नास्तिकता, हीनता, असहायिकता आदि नाकारात्मक भाव छू तक नहीं सकता ।

ईश्वरविश्वास- आर्य समाज का आस्तिकवाद मनुष्य को सदैव उस प्रभु के साथ जोड़ता है जो चेतस, ज्ञानमय और आनन्द का भण्डार है । दयालुता, न्यायपरायणता, सत्यता, परोपकार आदि सर्व अलौकिक गुणों से परिपूर्ण है । ईश्वर के इन्हीं गुणों को धारण करना सच्ची ईश्वर-भक्ति है । सब कार्य जो ईश्वर के नियमों , सृष्टि-विज्ञान के नियम व जीवात्मा के गुण-कर्म व स्वभावानुसार हो, वह धर्म है । पक्षपात एवं द्वेषरहित सत्य व



न्याय का आचरण धर्म है । आर्य समाज धर्म के इन दस लक्षणों को व्यावहारिक रूप से सत्य मानता है- ये हैं- धृति, क्षमा, दम, अस्तेय, वृद्धि, सत्य, अक्रोध, शुद्धि, इन्द्रिय-निग्रह और विद्या ।

मानव स्वभाव से अल्पज्ञ है । परमात्मा सर्वज्ञ है । मानव को कर्म की स्वतंत्रता दी गयी है, अल्पज्ञतावश अगर वह भूल करे तो ईश्वरविश्वास कर सत्य मार्ग का पथिक बन कोई भी मानव अपने भूलों का सुधार कर सकता है और निष्ठापूर्वक सत्याचरण से अपने जीवन को धर्मार्थकाममोक्ष की साधना की सार्थक कड़ी से जोड़ सकता है । इसी लिये आर्य समाज के नियमों में ये दो नियम बहुत ही उपरोक्त साधना हेतु अत्यन्त सहायक हैं । सत्य का ग्रहण और असत्य का परित्याग करना तथा विद्या की वृद्धि व अविद्या का नाश करना आवश्यक बताया गया । सबकी उन्नति में अपनी उन्नति समझना श्रेष्ठता की पराकाष्ठा है । यही आर्यत्व है जो हमें स्वार्थ से हटाकर निःस्वार्थ व पूर्णपरोपकार से जोड़ता है । वेद, स्मृति, उपनिषद्, दर्शन , सत्योपदेश, सत्य पुरुषों का संग, अपनी पवित्र अन्तरात्मा की आवाज व प्रियता ये सब धर्म के रूप हैं । आर्य समाज की दृष्टि में धर्म के लिये चार वेद स्वतः प्रमाण हैं और अन्य सब ग्रन्थ जो वेदानुकूल हैं, वे परतः प्रमाण हैं । आर्य समाज ईश्वर, जीव व प्रकृति को अलग-अलग सत्ता मानता है । जीवात्मा ईश्वर नहीं बन सकता और ईश्वर कभी जीवरूप अवतार ग्रहण नहीं कर सकता । प्रकृति ज्ञानशून्य, जीवात्मा अल्पज्ञान वान है और ईश्वर/परमात्मा सर्वज्ञ अर्थात् पूर्णज्ञानवान है । ईश्वर बुरे कर्मों का फल कभी जीवात्मा को माँफ नहीं करता । बुरे कर्मों का फल दुःख (पापजन्य) होता है और अच्छे कर्मों का फल सुख (पुण्यजन्य) होता है ।



## **CHARITY DINNER** **HELD ON 1ST DECEMBER 2018**

1st Charity Dinner in our new Arya Samaj headquarter was held on 1st December 2018.

More than two hundred guests attended this event. Our Swami Shraddhanand Saraswati Hall and Maharishi Dayanand Saraswati Hall were fully packed with audience.

This evening was Gazal Ki Shaam.

For this event our Acharya Umesh Yadav and members of the Board of Trustees and some friends of our Arya Samaj really worked hard to sell tickets. Quite a few members and well wishers bought tickets and donated money even though they could not attend the event due to various reasons. So we are very grateful to these people.

As a Chairman I congratulate and thank you all for this noble work. The dedicated team of workers worked really hard to set up the place for this event. Our Office Manageress Ms. Lisa Chauhan worked very hard to keep record of all tickets sold and making a list of guests who attended the event. On behalf of Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands I thank you all very much.

The evening was supposed to start at 6pm but guests started arriving from 5.30pm.

Mrs. Brij Duggal, Mr. Ravinder Renukanta and Mrs. Neerja Dandona helped with checking the tickets of guests coming to this event. Dr. Umesh Kathuria, Acharya Umesh and Dr. Narendra Kumar welcomed the guests.

The starters were served at 6pm. The audience were requested to sit in Swami Shraddhanand Hall for the Gazal Ki Shaam. About 7pm

Dr. Kumar welcomed and thanked audience for coming. He told the audience “I really appreciate your love, affection and respect for your Arya Samaj.” He also told the audience that holding “Gazal Ki Shaam” event was in keeping with the aims and objects of our Arya Samaj. Then Dr. Kumar introduced the singers Mr. Qamar Ali Khan, Mrs. Meena Kumari and Tabla player Mr. Saber Massi.

Audience thoroughly enjoyed various kinds of Gazals and Bollywood songs.

Dinner was served about 9.15pm. Dr. PD Gupta, Mrs. Vimla Dodd and Dr. Umesh Kathuria helped with food supervision.

Second session of Gazal Ki Shaam started about 10pm. Again every one enjoyed the evening.

Finally about 11.15pm Dr. Kumar thanked singers who sang very well and Mr. Massi who played wonderful solo Tabla after repeated request from the audience. He also thanked Ram's Sweet/sSpice for providing free starters and tasty dinner food. Dr. Kumar also thanked trustees, Acharya ji, Ms. Lisa Chauhan and Mr. Rana for looking after car park security.

This event was really a team work and credit of its success goes to the whole team for their hard work and Nishkam Seva.

We raised about £3000 for our Arya Samaj from this Charity Dinner.

**By Dr. Narendra Kumar  
Chairman**



## Matrimonial Service

Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands is dedicated to its matrimonial members to provide a service that will help members find a partner for marriage within our community. We feel it is time to make a few changes to help with this process and move forward with the times.

### **Changes we have made in 2018:**

#### **Website:-**

- A new data base on the website that will give members an option to add a **photo** if they wish and a space for members to write a **bio** about themselves and what they are looking for in a partner.
- Existing members would have received a letter with information about what we need from you to update your profile. Once you have received this letter please fill it out and send back to us soon as possible, so we can update our **NEW** data base and you can start using the new system.

#### **Matrimonial Service:-**

- Members will now be given the **option** to directly contact each other or have the **option** for parents to contact each other.
- All **new** members will be contacted by the office staff for phone conversation during the application process.
- We are also looking in to ways of making our Matrimonial events more successful.
- **Now on facebook -**  
<https://www.facebook.com/aryasamajwestmidlands/>

# **Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands**

## **Newly Refurbished Venue Hire**

**Our new home at 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR has been newly refurbished and is the perfect venue for you to hire for all your events.**

### **Venue Information:**

- **Main Banqueting Hall Seating up to 300+ guests**
  - **Function/Dining Hall With Stage**
  - **Yajna Shala (Havan Room)**
    - **Kitchen Facilities**
    - **On site cleaner**
    - **Parking for events**
    - **Hindu Priest Service**

**Our venue is perfect for Weddings, Engagements, Anniversaries, Birthdays for all ages, Religious Ceremonies, Community Events, Family Parties, Meetings, Wakes and all other functions.**

**For more information or viewings please call us on  
0121 359 7727**

**Monday to Friday between: - 2pm to 6pm,  
Except Wednesday: - 10.30am to 1.00pm  
Bank Holidays – Closed**

- **Excellent rates – Vegetarian ONLY – No Alcohol**

## News

### Get Well Soon:

- Mr Vishwa Nath Bhandari, ex-Vice President of Arya Samaj West Midlands year 2001-2003 is recovering in Gracewell of Edgbaston Care Home, Speedwell Road, Edgbaston, Birmingham, B5 7PR and telephone number 0121 796 0796. We all wish him a speedy recovery.
- Mrs Deepika Datta is on waiting list for a kidney transplant. We wish her to get better soon.
- Mr Ram Sarup Kohli has now come home and recovering well. Wishing him good health.

### Condolence:

- Mr. Surinder Kumar & Mrs. Urmil Devi (Leicester) & family – for loss of their beloved son Mr. Chandra Shekhar. May God grant the departed soul eternal peace and give strength to the family members to bear their loss.
- Mr. Sheetal Aggarwal & brothers & family - for loss of Darsha Bhen ji/Buaa full name Miss Sudarshna Aggarwal. May God grant the departed soul eternal peace and give strength to the family members to bear their loss.

### Congratulations:

- Mr. Ashvini Vaid & family – for hawan for prosperities and happiness in family and to bless their Mr. Sandeep and daughter in law Richa on their wedding anniversary. Wishing them a happy & healthy life.

**Many congratulations to all the mentioned families who have had auspicious havan at their residences on different occasions or Sunday Vedic Satsangs in Arya Samaj Bhavan.**

**Donations:**

- |                   |     |
|-------------------|-----|
| • Dr V K Dewan    | £10 |
| • Mrs U Khosla    | £10 |
| • Mr R Joye       | £11 |
| • Mrs P Sahni     | £20 |
| • Mr S.P. Gupta   | £10 |
| • Mr V.K. Kanungo | £25 |

**Donations to Arya Samaj West Midland through the Priest-Services:**

- |                        |      |
|------------------------|------|
| • Mr. Surinder Kumar   | £50  |
| • Mr. Sheetal Aggarwal | £201 |
| • Mr. Ashvini Vaid     | £51  |

**Thank you for all your**  
**Donations!**



**Please contact Acharya Dr Umeh Yadav on  
0121 359 7727  
for more information on**

- **Member or non member wishing to be a Yajman in the Sunday congregation to celebrate an occasion or to remember a departed dear one.**
- **Have Havan, sankars, naming, munden, weddings and Ved Path etc performed at home.**
- **Our premises will be licensed for the civil marriage ceremony.**
- **Please join in the Social group at Arya Samaj West Midlands every Wednesday from 11am. Emphasis is on keeping healthy and fit with yoga and Pranayam. Hot vegetarian Lunch is provided at 1pm.**
- **Ved Prachar by our learned Priest Dr Umesh Yadav on Radio XL 7 to 8 am, first Sunday of the month. Next 3rd February 2019 & 3rd March 2019.**

**Every effort has been taken that information given is correct and complete. But if any mistake is spotted please inform the office.**

*0121 359 7727*

**E-mail- [enquiries@arya-samaj.org](mailto:enquiries@arya-samaj.org)**

**Website: [www.arya-samaj.org](http://www.arya-samaj.org)**



## **YOGA CLASSES**

**Arya Samaj (Vedic Mission) West Midlands YOGA and MEDITATION Lessons for young children.**

**Where: - Arya Samaj (Vedic Mission) 321 Rookery Road, Handsworth, Birmingham, B21 9PR.**

**When: - Every Tuesday – Starting on Tuesday 3rd July 2018.**

**Time: - 5pm – 6pm.**

**Our learned, trained and qualified Yoga teacher Acharya Dr. Umesh Yadav ji will provide these lessons.**

**Parents and grandparents with young children who would like some more information about these sessions please get in touch with our Arya Samaj by phoning on 0121 3597727 or email on enquiries@arya-samaj.org.**